

20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

"मीठे बच्चे - पुण्य आत्मा बनना है तो एक बाप को याद करो, याद से ही खाद निकलेगी, आत्मा पावन बनेगी"



प्रश्न:- कौन सी स्मृति रहे तो कभी भी किसी बात में मूँझ नहीं सकते?

उत्तर:- ड्रामा की। बनी बनाई बन रही, अब कुछ बननी नाहि... यह अनादि ड्रामा चलता ही रहता

है। इसमें किसी बात में मूँझने की दरकार नहीं।

कई बच्चे कहते हैं पता नहीं यह हमारा अन्तिम

84 वाँ जन्म है या नहीं, मूँझ जाते हैं। बाबा कहते

मूँझो नहीं, मनुष्य से देवता बनने का पुरुषार्थ

करो।



Click



ओम् शान्ति। बच्चों को ओम् शान्ति के अर्थ का तो पता है कि मैं आत्मा हूँ और मुझ आत्मा का स्वधर्म

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



अलिफ लैला

हर शब नई कहानी दिलचस्प है बयानी सदियाँ गुज़र गयी है लेकिन न हो पुरानी

बाबा कहते हैं कि ये ड्रामा नित्य नया है तो पुराने ते पुराना भी है।





है शान्ति।<sup>66</sup> मैं आत्मा शान्त स्वरूप, शान्तिधाम की रहने वाली हूँ।<sup>99</sup> यह लेसन पक्का करते जाओ। यह

अनंत कोटि ब्रह्मांड नायक

कौन समझाते हैं? शिवबाबा। याद भी करना है

शिवबाबा को। उनको अपना रथ नहीं है इसलिए

उनको बैल दे देते हैं। मन्दिर में भी बैल रख दिया

है। इसको कहा जाता है पूरा अज्ञान। बाप

समझाते हैं बच्चों को अथवा रूहों को। यह है रूहों

का बाप शिव, इनके नाम तो बहुत हैं। परन्तु बहुत

The Real Name

नाम से मूँझ पड़े हैं। वास्तव में इनका नाम है शिव।

शिव जयन्ती भी भारत में मनाई जाती है। वह

निराकार बाबा है, आकर पतितों को पावन बनाते

हैं। कोई ने भागीरथ, कोई ने नंदीगण कह दिया है।

बाप ही बताते हैं कि मैं कौन से भाग्यशाली रथ में

आता हूँ। मैं ब्रह्मा के तन में प्रवेश करता हूँ। ब्रह्मा

द्वारा भारत को स्वर्ग बनाता हूँ। तुम सब

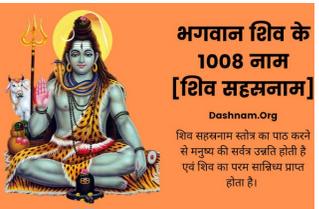
भारतवासी जानते हो ना कि लक्ष्मी-नारायण का

राज्य था। तुम सब भारतवासी बच्चे आदि सनातन

देवी-देवता धर्म वाले थे। स्वर्गवासी थे। 5 हजार

वर्ष पहले जब मैं आया था तो सभी को सतोप्रधान

स्वर्ग का मालिक बनाया था। फिर पुनर्जन्म जरूर



20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

लेना पड़े। बाप कितना सीधा बताते हैं। अब

जयन्ती मनाते हो, (इस 2026 में लिखेंगे 90 वीं

शिवजयन्ती), बाबा की पधरामणी हुए अभी 90

वर्ष हुए। फिर साथ-साथ ब्रह्मा विष्णु शंकर की भी

पधरामणी है। त्रिमूर्ति ब्रह्मा की जयन्ती कोई

दिखाते नहीं हैं, दिखाना जरूरी है क्योंकि बाबा

कहता है मैं ब्रह्मा द्वारा स्थापना फिर से करता हूँ।

ब्राह्मण बनाता जाता हूँ। तो ब्रह्मा और ब्राह्मण

वंशियों का भी जन्म हुआ। फिर दिखाता हूँ कि

तुम सो विष्णुपुरी के मालिक बनेंगे। बाप की याद

से ही तुम्हारी खाद निकलेगी। भल भारत का

प्राचीन योग मशहूर है परन्तु वह किसने सिखाया

था, यह कोई नहीं जानते। खुद कहते हैं हे बच्चे

तुम अपने बाप को याद करो। वरसा तुमको मेरे से

मिलता है। मैं तुम्हारा बाप हूँ। मैं कल्प-कल्प आता

हूँ, आकर तुमको मनुष्य से देवता बनाता हूँ क्योंकि

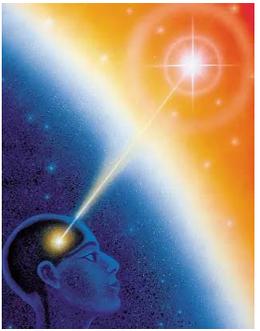
तुम देवी-देवता थे फिर 84 जन्म लेते-लेते आकर

पतित बने हो। रावण की मत पर चल रहे हो।

ईश्वरीय मत से तुम स्वर्ग के मालिक बनते हो।



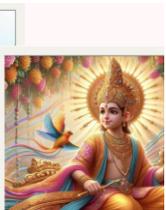
All together



याद करो...



पुरुषार्थ



प्रालम्भ

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



REPEAT



बाबा की ये हाइलाइट्स मुरली आपने कल्प पहले भी पढ़ी थी इस कल्प में भी पढ़ रहे हैं और अगले कल्प में भी पढ़ेंगे

20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

बाप कहते हैं मैं कल्प पहले भी आया था। जो

कुछ पास होता है, वह कल्प-कल्प होता ही रहेगा।

बाप फिर भी आकर इनमें प्रवेश करेंगे, इस दादा

को छुड़ायेंगे। फिर इन सबकी परवरिश करायेंगे।

तुम जानते हो कि हम ही सतयुग में थे। हम

भारतवासियों को ही 84 जन्म लेना पड़े। पहले-

पहले तुम सर्वगुण सम्पन्न 16 कला सम्पूर्ण थे।

यथा राजा रानी तथा प्रजा नम्बरवार। सब तो राजा

नहीं बन सकते। तो बाप समझाते हैं सतयुग में

तुम्हारे 8 जन्म, त्रेता में 12 जन्म... ऐसे ही अपने

को समझो कि हमने यह पार्ट बजाया है। पहले

सूर्यवंशी राजधानी में पार्ट बजाया फिर चन्द्रवंशी में

फिर नीचे उतरते वाम मार्ग में आये। फिर हमने 63

जन्म लिए। भारतवासियों ने ही पूरे 84 जन्म लिए

हैं और कोई धर्म वाले इतने जन्म नहीं लेते हैं।

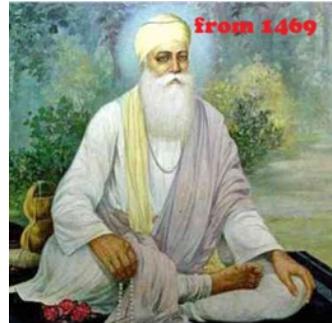
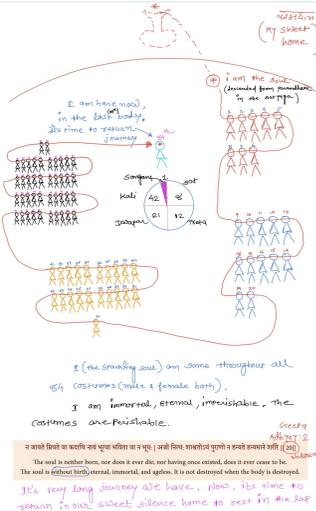
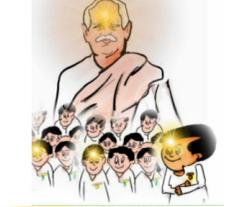
गुरूनानक को 500 वर्ष हुए, करीब उनके 12-14

जन्म होंगे। यह हिसाब निकाला जाता है।

क्रिश्चियन ने 2 हजार वर्ष में 60 पुनर्जन्म लिये होंगे,

वृद्धि होती जाती है। पुनर्जन्म लेते जाते हैं। बुद्धि में

यह विचार करो तो हमने ही 84 जन्म भोगे हैं, फिर



s: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

ये पक्का कर लो..

20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

सतोप्रधान बनना है। जो कुछ पास हुआ ड्रामा।

जो ड्रामा बना हुआ है वह फिर रिपीट होगा। बेहद

की हिस्ट्री में तुमको ले जाते हैं। तुम पुनर्जन्म लेते

आये हो। अब तुमने 84 जन्म पूरे किये हैं। अब

फिर बाप ने याद दिलाई कि तुम्हारा घर है

शान्तिधाम। आत्मा का रूप क्या है? बिन्दी। वहाँ

जैसे बिन्दियों का झाड़ है। आत्माओं का भी

नम्बरवार झाड़ है। नम्बरवार नीचे आना होता है।

परमात्मा भी बिन्दी है। ऐसे नहीं कि इतना बड़ा

लिंग है। बाप कहते हैं कि तुम हमारे बच्चे बनते हो

तो मैं तुमको स्वर्ग का मालिक बनाता हूँ, पहले तुम

हमारे बने फिर मैं तुमको पढ़ाता हूँ। कहते हो बाबा

हम तुम्हारे हैं। साथ-साथ पढ़ना भी है। हमारे बने

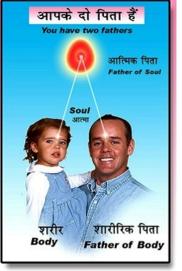
और तुम्हारी पढ़ाई शुरू हो गई।

बाबा कहते कि यह तुम्हारा अन्तिम जन्म है, कमल

फूल समान पवित्र बनो। बच्चे वायदा करते हैं बाबा

हम आपसे वर्सा लेने लिए कभी पतित नहीं बनेंगे।

nts: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.



Experience of Sweet Brahma baba

20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

63 जन्म तो पतित बने हैं। यह 84 जन्मों की

कहानी है। बाबा आकर सहज कर बताते हैं। जैसे

लौकिक बाप बताते हैं ना। तो यह है बेहद का

बाप। वह आकर रूहों से बच्चे-बच्चे कह बात

करते हैं। शिवरात्रि भी मनाते हैं ना। यह है

आधाकल्प का दिन और आधाकल्प की रात।

अभी है रात का अन्त और दिन के आदि का

संगम। भारत सतयुग था तो दिन था। सतयुग त्रेता

को ब्रह्मा का दिन कहा जाता है। तुम ब्राह्मण हो

ना। तुम ब्राह्मण जानते हो कि हमारी अब रात्रि है।

तमोप्रधान भक्ति है। दर दर धक्के खाते रहते हैं,

सबकी पूजा करते रहते हैं। टिवाटे की भी पूजा

करते हैं। मनुष्य के शरीर की भी पूजा करते हैं।

संन्यासी लोग अपने को शिवोहम् कह बैठ जाते हैं

फिर मातायें जाकर उनकी पूजा करती हैं। बाबा

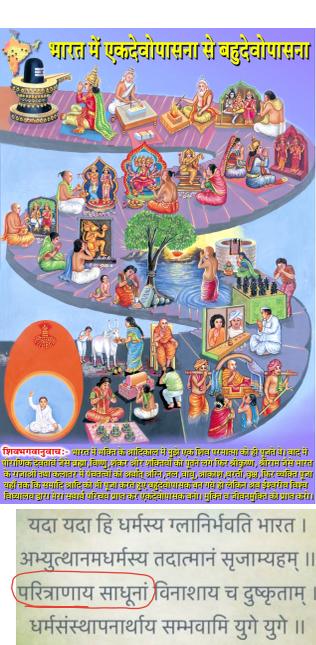
बहुत अनुभवी है। बाबा कहते हमने भी बहुत पूजा

की है। परन्तु उस समय ज्ञान तो था नहीं। फल

चढ़ाते थे, लोटी चढ़ाते थे मनुष्य पर। यह भी ठगी

हुई ना। परन्तु यह सब फिर भी होगा। भक्तों का

रक्षक है भगवान क्योंकि सभी दुःखी हैं ना। बाप



20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा"



समझाते हैं कि द्वार से लेकर तुम गुरु करते आये हो और भक्ति मार्ग में उतरते आये हो। अभी तक

भी साधू लोग तो साधना करते हैं। बाप कहते हैं कि उन्हों का भी मैं उद्धार करता हूँ। संगम पर तुम्हारी सद्गति हो जाती है फिर तुम 84 जन्म लेते

हो। बाप को कहा जाता है ज्ञान का सागर, मनुष्य

सृष्टि का बीजरूप। सत् चित् आनन्द स्वरूप है।

वो कब विनाश नहीं होता, उनमें ज्ञान है। ज्ञान का

सागर, प्यार का सागर है, जरूर उनसे वर्सा मिलना

चाहिए। अभी तुम बच्चों को वर्सा मिल रहा है।

शिवबाबा है ना। वह भी बाबा है, यह भी तुम्हारा

बाप है फिर शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा तुमको पढ़ाते हैं

इसलिए प्रजापिता ब्रह्माकुमार कुमारियां कहा

जाता है। कितने ढेर बी.के. हैं। कहते हैं कि हमको

डाडे से वर्सा मिलता है। बच्चे कहते हैं बाबा हमको

नर्कवासी से स्वर्गवासी बनाते हैं। कहते हैं हे बच्चे -

मामेकम् याद करो तो तुम्हारे सिर पर जो पापों का

बोझा है वह भस्म हो जायेगा। फिर तुम सतोप्रधान

बन जायेंगे। तुम सच्चा सोना, सच्चे जेवर थे।

आत्मा और शरीर दोनों सतोप्रधान थे। आत्मा फिर

बीजं मां सर्वभूतानां विद्धि पार्थ सनातनम् ।  
बुद्धिर्बुद्धिमतामस्मि तेजस्तेजस्विनामहम् ॥  
हे अर्जुन ! तू सम्पूर्ण भूतोंका सनातन बीज  
मुझको ही जान । मैं बुद्धिमानोंकी बुद्धि और  
तेजस्वियोंका तेज हूँ ॥ १० ॥ अध्याय - 7  
बलं बलवतां चाहं कामरागविवर्जितम् ।  
धर्माविरुद्धो भूतेषु कामोऽस्मि भरतर्षभ ॥  
हे भरतश्रेष्ठ ! मैं बलवानोंका आसक्ति और  
कामनाओंसे रहित बल अर्थात् सामर्थ्य हूँ और सब  
भूतोंमें धर्मके अनुकूल अर्थात् शास्त्रके अनुकूल  
काम हूँ ॥ ११ ॥



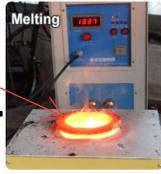
Most imp

Points:



धारणा सेवा M.imp.

As the Purity of Gold  
(purity of soul)

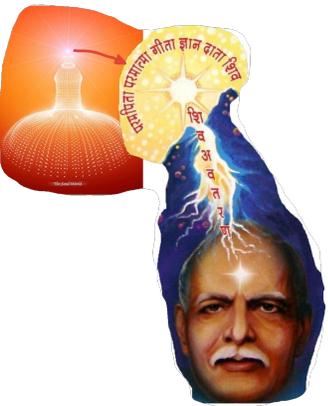


SO, the ornament/coin becomes  
(The body & all other things with Body)

20-03-2026

प्र

"बापदादा" मधुबन



सतो रजो तमो होती है (तो) शरीर भी ऐसा तमोगुणी

मिलता है। बाप तुमको राय देते हैं कि बच्चे मुझे

याद करो। मुझे बुलाते हो ना कि हे पतित-पावन

आओ। भारत का प्राचीन राजयोग मशहूर है। वह

अब तुमको सिखला रहा हूँ कि मेरे साथ योग रखो

तो इससे तुम्हारी खाद जल जायेगी। जितना याद

करेंगे उतनी खाद निकलती जायेगी। याद की ही

मुख्य बात है। नॉलेज तो बाप ने दी है - सतयुग में

यथा राजा रानी तथा प्रजा सब पवित्र थे, अभी सब

पतित हैं। बाप कहते हैं कि इनके बहुत जन्मों के

अन्त के जन्म में मैं प्रवेश करता हूँ। इसको कहा

जाता है भाग्यशाली रथ। यह पढ़कर फिर पहले

नम्बर में जाते हैं। नम्बरवार तो बनते हैं ना। मुख्य

एक नाम होता है। बाप ने बच्चों को 84 जन्मों का

राज अच्छी रीति समझाया है। तुम आदि सनातन

देवी देवता धर्म के हो, न कि हिन्दू धर्म के। तुम

कर्म श्रेष्ठ, धर्म श्रेष्ठ थे। फिर रावण के प्रवेश होने से

धर्म-कर्म भ्रष्ट हो गये हो। अपने को देवी-देवता

कहलाने में लज्जा आती है इसलिए हिन्दू नाम रख

दिया है। वास्तव में आदि सनातन देवी-देवता धर्म

Mind very well...

याद करो...

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

के थे। तुमने 84 जन्म लिए हैं फिर पतित बन गये

हो। 84 का चक्र भारतवासियों के लिए है। वापिस

जाना तो सबको है। पहले तुम जायेंगे। जैसे बारात

जाती है ना। शिवबाबा को साजन भी कहते हैं।

तुम सजनियाँ इस समय छी-छी तमोप्रधान हो,

उनको गुल-गुल बनाकर ले जायेंगे। आत्माओं को

पावन बनाकर ले जायेंगे। इसको लिबरेटर, गाइड

कहा गया है। बेहद का बाप ले जाता है। उनका

नाम क्या है? शिवबाबा। नाम शरीर पर पड़ता है

समझा?

परन्तु परमात्मा का शिव ही नाम है। ब्रह्मा, विष्णु,

शंकर का तो सूक्ष्म शरीर है। शिवबाबा का तो कोई

शरीर है नहीं। उनको शिवबाबा ही कहते हैं। बच्चे

कहते हैं, हे मात-पिता हम आपके बालक बने हैं।

दूसरे तो पुकारते रहते हैं क्योंकि उन्हीं को पता

नहीं है। अगर सबको पता पड़ जाए तो मालूम नहीं

क्या हो जाए। दैवी झाड़ का अभी सैपलिंग लगता

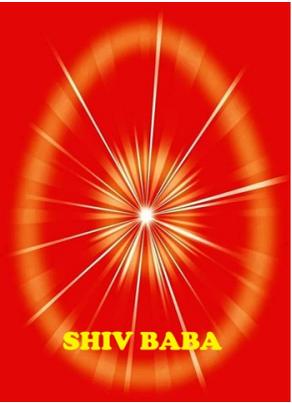
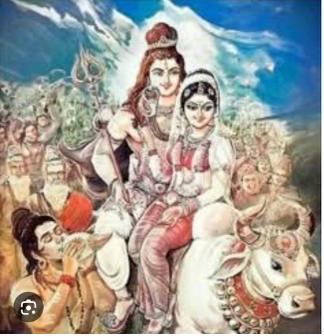
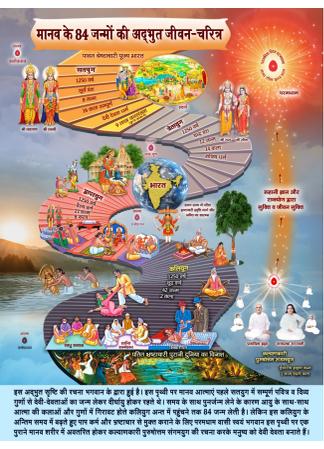
है। हीरे से कौड़ी बनने में 84 जन्म लगते हैं। फिर

नये सिरे से शुरू होगा। वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी

रिपीट होगी। बाप समझाते हैं कि तुमने पूरे 84

जन्म लिए हैं। 84 लाख तो हो न सके। यह बड़ी

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.







20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

होती है। यह है संगमयुग, छोटा युग। चोटी है

ब्राह्मणों की। बाप तुम ब्राह्मणों को देवता बना रहे

हैं। तो <sup>m. Imp.</sup> ब्रह्मा के बच्चे जरूर बनना पड़े। तुमको

वर्सा मिलता है <sup>shivbaba</sup> डांडे से। जब तक अपने को बी.के.

नहीं समझें तब तक वर्सा कैसे मिले। फिर भी कोई

कुछ न कुछ ज्ञान सुनते हैं तो साधारण प्रजा में आ

जायेंगे। आना तो जरूर है। शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा

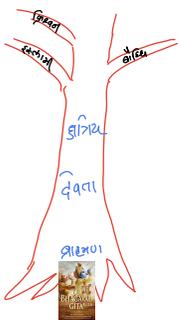
ब्राह्मण, देवता, क्षत्रिय धर्म की स्थापना करते हैं।

सिवाए गीता के दूसरा कोई भी शास्त्र है नहीं।

गीता है ही सर्वोत्तम दैवी धर्म का शास्त्र जिससे 3

धर्म स्थापन होते हैं। ब्राह्मण भी यहाँ बनना है।

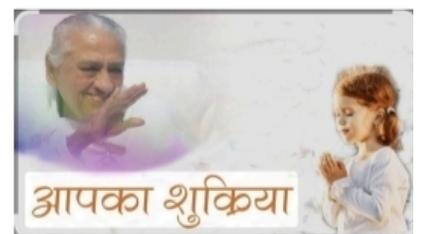
देवता भी यहाँ ही बनेंगे। अच्छा!



मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता

बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी

बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते



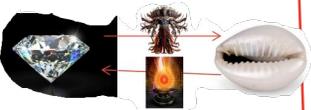
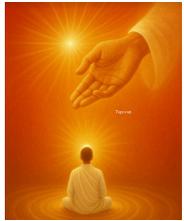
# धारणा के लिए मुख्य सार:-

71. बनी बनाई बन रही अब कुछ बननी चाहि,  
चिंता ताकी कीजिए, जो अनहोनी होए। (गुरुग्रंथ साहब)  
जो कुछ होता है ड्रामा में उसकी मूँध है। किसी भी बात की चिंता  
नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह अटल भावी है। जो होना है वही हो  
रहा है। उसे साक्षी होकर देखना है।



1) हर एक के निश्चित पार्ट को जान सदा निश्चित रहना है। बनी बनाई बन रही... ड्रामा पर अडोल रहना है।

2) इस छोटे से संगमयुग पर बाप से पूरा वर्सा लेना है। याद के बल से खाद निकाल स्वयं को कौड़ी से हीरे जैसा बनाना है। मीठे झाड के सैपलिंग में चलने के लिए लायक बनना है।



ऑलिम्प खेल खेलने वालों  
सबसे प्रिय माता  
श्रीबाबा!

Click



Value the company of Shambh Baba  
(Also, Value this time as most precious time)  
else

आपसे दिन पाठे गए,  
हरि से किया न होत।  
अब पड़ताए होत क्या,  
विदिया चुग मही खेत ॥

पिछाड़ी में बहुत दाने थे।  
बाप के बहुत love देता है

So, Value this Time

नॉलेज जो मैं अभी तुमको देता हूँ फिर मैं ही आकर दूँगा। यह नई दुनिया के लिए नया ज्ञान है। यह ज्ञान बुद्धि में रहने से खुशी बहुत होती है। बाकी थोड़ा टाइम है। अब चलना है। एक तरफ

May I have your Attention please...!

मीठे शिव बाबा को माँ के रूप में सामने रखते हुए सतयुग में जाने के पहले उनसे पिछड़ते समय की रूबरूहान...  
25-10-2024 प्रातःमुरली  
खुशी होती है दूसरे तरफ फिर फील भी होता है। अरे, ऐसा मीठा बाबा हम फिर कल्प बाद देखेंगे। बाप ही बच्चों को इतना सुख देते हैं ना। बाप आते

चोला छोड़ना है, इनमें क्या ममत्व रखना है। शरीर होते शरीर में कोई ममत्व नहीं होना चाहिए। अन्दर में यही तात रहे। अब हम आत्मार्थ पावन बनकर अपने घर जायें। फिर यह भी दिल होती है - ऐसे बाबा को कैसे छोड़े? ऐसा बाबा तो फिर कभी मिलेगा नहीं। तो ऐसे-ऐसे ख्याल करने से बाप भी याद आयेगा, घर भी याद आयेगा। अब हम घर

04-11-2024 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन जाते हैं। 84 जन्म पूरे हुए। भल दिन में अपना धंधा आदि करो। गृहस्थ व्यवहार में तो रहना ही

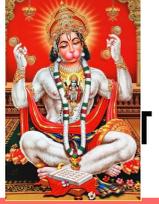


Click

करने वाला होगा तो नहीं रोयेगी। मोह नहीं होगा तो समझेगी भावी। तुम्हारा भी बाप के साथ बहुत लव है। पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रहते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आर्येंगे, दुःख के नहीं। यहाँ भी बच्चे बहुत समय के बाद आकर बाप से मिलते हैं तो प्रेम के ऑसू आते हैं। यह प्रेम के ऑसू फिर माला का दाना बन जायेंगे। हमारा पुरुषार्थ ही है कि हम बाबा के गले का हार बनें, इसलिए बाबा को याद करते रहते हैं।

most painful scene

20-03-2026 प्रातःमुरली ओम् शान्ति "बापदादा"



वरदान:- एक बाप की याद में सदा मगन रह

एकरस अवस्था बनाने वाले साक्षी दृष्टा भव

Outcome/Output/Result

Finale Achievement

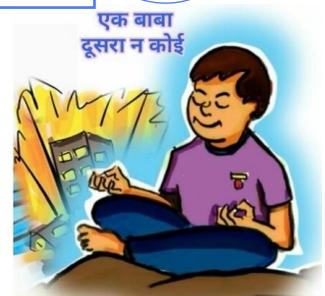
अभी ऐसे पेपर आने हैं जो संकल्प, स्वप्न में भी नहीं होंगे। *Are you ready? For this kind of papers...?*

परन्तु आपकी प्रैक्टिस ऐसी होनी चाहिए जैसे हृद का ड्रामा साक्षी होकर देखा जाता है फिर चाहे दर्दनाक हो या हंसी का हो, अन्तर नहीं होता।

ऐसे चाहे कोई का रमणीक पार्ट हो, चाहे स्नेही आत्मा का गम्भीर पार्ट हो.....हर पार्ट साक्षी दृष्टा होकर देखो, एकरस अवस्था हो।

परन्तु ऐसी अवस्था तब रहेगी जब सदा एक बाप की याद में मगन होंगे।

निरंतर/constant



स्लोगन:- दृढ़ निश्चय से अपने भाग्य को निश्चित कर दो तो सदा निश्चित रहेंगे।

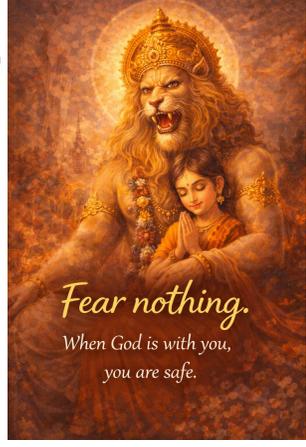


Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

ये अव्यक्त इशारे-

**"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर**

**सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"**



कर के देखो, बाबा यूं ही नहीं कहते

कर्म करने के पहले यह निश्चय रखो कि विजय तो हमारी हुई पड़ी है। अनेक कल्प विजयी बने हैं।

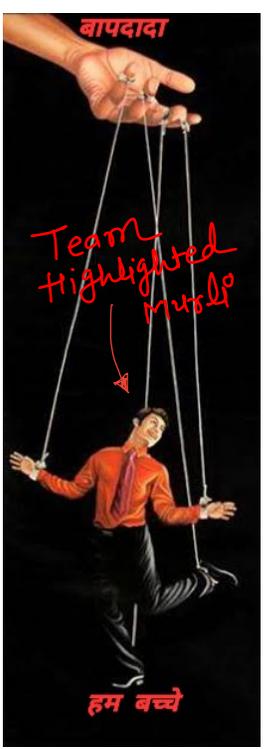
जब अनेक कल्प, अनेक बार विजयी बन विजय माला में पिरोने वाले, पूजन होने वाले बने हैं तो अब वही रिपीट करना है।

बना हुआ कर्म दुबारा रिपीट करना है इसलिए कहा जाता है कि बना बनाया....।

बना हुआ है लेकिन अब फिर से रिपीट कर 'बना बनाया' जो कहावत है उसको पूरा करना है।

71. बनी बनाई बन रही अब कुछ बननी नाहि,  
चिंता ताकी कीजिए, जो अनहोनी होए। (गुरुग्रंथ साहब)  
जो कुछ होता है ड्रामा में उसकी नूँध है। किसी भी बात की चिंता नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह अटल भावी है। जो होना है वही हो रहा है। उसे साक्षी होकर देखना है।





ओम शांति,

30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते हैं? (अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुझाव एवं प्रतिभाव हमें आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते हैं। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए हैं)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में बल मिल सकें।



शुक्रिया, ओम शांति।

Team Highlighted Murli

[Link of Google Form ==>](#)

[Click](#)

पिछले दो चार दिनों में जो अनुभव प्राप्त हुए हैं उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे हैं जो आपको उमंग व खुशी देंगे एवं उनके अनुभवों से आपको आपके पुरुषार्थ के लिए नए आयाम मिलेंगे

सबसे खास अनुभव जो आया वो है हम ब्राह्मणों का सबसे अधिक प्यारा स्थान "मधुबन"।

की जहां स्वयं भगवान ब्रह्मा तन में पधारे एवं श्रृष्टि के आदि पिता हमारे मीठे प्यारे ब्रह्माबाबा ने अपना सर्वस्व दधीचि ऋषि बनके विश्व सेवा अर्थ लगाया।

उस परम पावन भूमि से निरंतर भगवान की पालना में पल रही एक महारथी आत्माने, कुछ साधारण प्यादे समान आत्माओं का उमंग उत्साह बढ़ाया है। ये अपने आप में वंडरफुल बात है जो कि परमात्म पालना का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

जैसे जिस पेड़ पर ज्यादा फल लगे होते हैं तो वह स्वतः ही झुक जाता है,

वैसे ही हमारे मधुबन निवासी भाई बहने जो कि स्वयं भगवान की पालना में पल रहे हैं वह एक-एक महान आत्मा फलों से लदे हुए उस पेड़ के समान है।

और जैसे मीठे ब्रह्मा बाबा बच्चों को अपने से आगे बढ़ाते थे, वैसे ही follow father करते औरों को आगे बढ़ाने में अपना सर्वस्व लगा रहे हैं।

आदरणीय भाईजी,

बापदादा के instrument हम सभी हाइलाइटेड मुरली टीम के सदस्य आपने जो उमंग उत्साह बढ़ाया उसके लिए तहे दिल से शुक्रगुजार है और उसको बाबा के चरणों में समर्पित करते हैं। साथ ही आपकी विनम्रता एवं निरहंकारिता को सादर वंदन करते हैं।

ॐ शांति

Name	BK Jitu Bhai, Youth wing
समर्पित?	Yes
From:	मधुबन
Age of body	51
ज्ञान में	47 years
HLM कब से	3 years
Experience:	You are doing very good sewa. It is very useful to understand murli with baba's original view ( Bhaav), very helpful for explaining or easy to read for others. if possible please send quiz questions of same murli for churning and to create interest within youth.

आप सभी महानतम आत्माओं से एक विनम्र निवेदन है कि जब भी आप अपना अनुभव साझा करें तो उसमें कृपा करके Team HLM (टीम हाइलाइटेड मुरली) का किसी भी प्रकार से धन्यवाद ना करें क्योंकि यह सेवा मीठे बाप दादा ही करवा रहे हैं तो आप को जो भी धन्यवाद करना है वह direct मीठे बाप दादा का ही करें।

क्योंकि यह अमूल्य और अति गुह्य ज्ञान साथ ही इसकी गहराई को समझने के लिए दिव्य बुद्धि - ये सब कुछ उस दाता की ही देन है तो महिमा भी उसी की होनी चाहिए।

आदरणीय बीके डॉ. सचिन भाईजी ने एक क्लास में बताया था कि बाबा जैसे की टंकी है और हम सब है नल। तो महिमा उस टंकी (बाबा) की होनी चाहिए न कि नल की।  
वो चाहता तो किसी भी और नल को निमित्त बनाकर ज्ञान रूपी पानी को आप तक पहुंचा सकते थे लेकिन उन्होंने इस किस्से में Team HLM को निमित्त बनाया है।

तो आप सभी दिव्यबुद्धि के धनी आत्माएं जिन्होंने गुप्त रूप में आए भगवान को पहचान लिया है उन्हीं से विनम्र निवेदन है कि इस बात को भी अपनी दिव्य बुद्धि में रखकर उस सर्वशक्तिमान बाप दादा का ही शुक्रिया अदा करेंगे।

और जब ऐसा होगा तो Team HLM को जो खुशी होगी उसको यहां शब्दों में बया नहीं किया जा सकता।

ॐ शांति

## Other Recent Experiences

Name	Bk Kantibhai
समर्पित?	No
From:	Gandhinagar [gujarat]
Age of body	70 Years
ज्ञान में	17 years
HLM कब से	1 Year
Experience:	When I was in Australia, I have started study highlighted murli. it impact on brain due to pictures. It creates new pathways in brain. Good idea Thanks Omshanti

Name	Mlnakshi
समर्पित?	
From:	faridabad, haryana
Age of body	45 years
ज्ञान में	12 but not regular
HLM कब से	2 years
Experience:	due to reading highlighted murli & after that quiz murli points yad rahte or daily life mai use karne ki koshis karti hu , bhut hi khushi hoti murli parkar as ache se clear hoti hai , baba ka gyan kisi ko samjha bhi pati hu as khud ko ache se clarity hoti hai , thanks Baba thanks to all sewadari --its a big big seva

Name	Madan Nagpal
समर्पित?	No
From:	Delhi/Faridabad Haryana
Age of body	71 years 6 months
ज्ञान में	11 years
HLM कब से	Since the time you started this
Experience:	Appreciate the hard work you're putting in.

Name	Kiran Dua
समर्पित?	No
From:	Ludhiana Punjab
Age of body	50 yr
ज्ञान में	5-6
HLM कब से	1yr
Experience:	Highlighted murli se bhut hi genre anubhav hote hai kyunki yaad Rakhee ka bhut hi asaan method hota h k jab hum dekhte h to isme to har ek point ko poora dikhaya jata samjhaya jata h.isme main jo h k koi bhi kahani hai usko poora detail ke sath likha hota jaise ROOP BASANT etc ese samajh r m or easy ho jata pointed so Thanku so much aapka jo itna easy method se sab clear krte

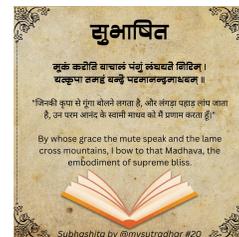
Name	BK Praveena
समर्पित?	
From:	Bharatpur, Rajasthan
Age of body	37 years
ज्ञान में	22 years
HLM कब से	1 year
Experience:	हाईलाइट मुरली बहुत ही अच्छी सुंदर तरीके से समझ आ जाती चित्रों के द्वारा पूरी बुद्धि में फिट हो जाती है भूलती नहीं है मुरली का पूरा गीत मिलता है अगर कोई कहानी कहावत आती है तो उसका भी स्पष्ट जबाब मिलता है आप सभी का बहुत बहुत शुक्रिया

Name	BK Meena Bharti
समर्पित?	No
From:	Ghumarwin Himachal Pradesh
Age of body	50
ज्ञान में	24 years
HLM कब से	5 years

Experience: ॐ शांति दिव्य भ्राता जी हाईलाइटड मुरली हमारे लिए बहुत बहुत मददगार साबित हुई है। हम गीता पाठशाला चलाते हैं और रोज मुरली के रंग बिरंगे अण्डरलाइन किए हुए महावाक्यों से सभी भाई बहनों को समझने में बहुत मदद मिलती है। जैसे बना बनाया मक्खन खाने को मिल रहा है। हाइलाइटड महावाक्यों के साथ जो रिलेटिव चित्र दिए होते हैं वो तो ये सेवा करने वाले सेवाधारी की कमाल होती है इसके लिए बाबा और हम सब की बहुत बहुत बहुत दुआएं हैं आपको। इन चित्रों के आधार पर ही हम क्लास में मुरली का रिवीजन करते हैं सिर्फ चित्र देखकर मुरली फ़ाइट पूछा जाता है। भाई बहनें चित्र बना कर भी लाते हैं इससे। वैरायटी के साथ मुरली फ़ाइट याद रहते हैं। हम सोचते हैं कि कितना बाबा के हर महावाक्य को आत्मसात किया होगा जो सहज समझाने की सेवा कर रहे हैं क्योंकि यह सेवा बहुत गहराई से मुरली को समझकर ही हो सकती है। इसलिए बहुत बहुत साधुवाद और धन्यवाद !!

Name	Ruby
समर्पित?	Adhr kumari
From:	Delhi
Age of body	45 years
ज्ञान में	6 years
HLM कब से	1 month se
Experience:	Maine aaj tak itni murlis read ki pr jo highlights walo ne samzya vo kisi ne nhi bahut deeply samzya

Name	Shilpa M narqle
समर्पित?	No, Teacher
From:	Pune Maharashtra
Age of body	47
ज्ञान में	7
HLM कब से	2
Experience:	It is easy to understand because of pictures Daily I do seva of murli reading in center Because of this highlighted murali I can explain easily.



Name	SHANKAREGOWDA B M
समर्पित?	No , Self employed
From:	kolar Karnataka
Age of body	42
ज्ञान में	10 yrs
HLM कब से	3 yrs
Experience:	Its really a great sewa. I say thank you for your team , because this highlighted murali making me as true child of shiv baba . Reading one time this highlighted murali gives me a positive energy equal to when i listen in the centre.

Name	BK Sushil Panchal
समर्पित?	Healthcare- Sales and Marketing
From:	Pune Maharashtra
Age of body	39
ज्ञान में	30+
HLM कब से	6 years but not regularly
Experience:	<p>One of the Best and very effective way to Study and Remember Baba's Murali. Points are segregated as per 4 subjects and Pictorial explanation is very useful to remember Murali for whole day. extra Information such as Shloka and pictures are great help to Grasp baba's particular point.</p> <p>I always wonder daily How many hours of efforts you must be putting for study, editing, compiling this Murali. I also eager to know who is doing this Seva!!!</p> <p>Thank you for Your Consistent efforts and Service Brother/Sister. Om Shanti</p>

Name	Madhuri Bharat Chaubey
समर्पित?	MBBS DA ( doctor by profession)
From:	Thane mumbai Maharashtra
Age of body	63 yr
ज्ञान में	25 yr
HLM कब से	6 yr , from the first day you started it
Experience:	<p>Highlighted murli is like 3 D Movie , ek ek BABA k sabd hamesha k liye chitra sahit dil aur dimag me Ankit ho jate hain , fir ap din me ankhe band kark ya khuli rakh kar bhi visualize kar sakte hain</p> <p>Thankyou team , dil se ap BABA k bachchon ko sukria, and love you BABA 💕</p>

Name	Geethanjali
समर्पित?	
From:	Mysore Karnataka
Age of body	31
ज्ञान में	10 years
HLM कब से	5 months
Experience:	<p>Highlight muruli really makes me connect to baba because of clarity , It makes me easy to understand and experience each line without any efforts due to pictures, hyperlink,example of bhakti,songs, Everyday I read Highlight muruli, thanks a lot it's wonderful seva</p>

Name	Bk shobha
समर्पित?	House wife
From:	Ghaziabad Uttar Pradesh
Age of body	49
ज्ञान में	10year
HLM कब से	5 month
Experience:	Highlighted murli ke karan mai murli ekagrata aur ramnikta se padhti hu picture murli acording kamal ke hote hai dil se kitna n sukriya karu!

Name	Bhavna Saini
समर्पित?	No, IT Engineer
From:	Panchkula Haryana
Age of body	35
ज्ञान में	1.8 years
HLM कब से	6 months
Experience:	<p>I used to listen MURLI online. But when I came across highlighted MURLI it has benefited me in many ways - it has become very convenient for me to remember points by memorising pictures shared in MURLI or text references which later becomes easy to churn points during day, whilst working, easy to follow and helps in preparing my night chart as well . Those pictures shared in MURLI itself gives me a real feeling all together like I am a DIETY , I am in HEAVEN, I am in PARAMDHAM.</p>

Name	Shobhit Kumar Srivastava
समर्पित?	IT proffession
From:	Gurugram Haryana
Age of body	36
ज्ञान में	1 Year
HLM कब से	2 weeks
Experience:	It's well elaborated and self explanatory. It really help in understanding the difficult words by the clear explanation and the intuitive pictORIZATION.

Name	santhoshi
समर्पित?	No; Software Engineer
From:	Bangalore
Age of body	37
ज्ञान में	5
HLM कब से	1
Experience:	Pictures in the highlighted murli helps to remember gyan points easily when compared to reading regular murli. Even the explanation of some deep points is very helpful

Name	Dheeraj Kumar
समर्पित?	No
From:	Lucknow Uttar Pradesh
Age of body	31
ज्ञान में	3.5 years
HLM कब से	5 months
Experience:	I like highlighted murli specially those pictures related to the particular point of line in murli...and yes those stories related to some idioms or phrases.. like merua maut maluka shikar .that makes murli more understanding and clarity in mind

Name	ब्रह्माकुमार गोकुल
समर्पित?	No
From:	Amravati, Maharashtra
Age of body	37
ज्ञान में	6
HLM कब से	1 year
Experience:	<p>ओम् शांति, हम ज्ञान में आये तब कोरोना काल चल रहा था, हमारा शुरुवाती पुरुषार्थ ऑनलाईन ही था। लेकिन ज्ञान मुरली के बहुत सारे महावाक्य हमें समझ में नहीं आते थे। हम जहां रहते थे वहां नजदीक सेंटर भी नहीं था। देरी से ज्ञान में आने से हमारे मन में बहुत उत्साह रहता था, लेकिन हम मुरली को ठीक से समझ नहीं सकते थे इसलिए थोड़ा उदास रहते थे। फिर तिन साल बाद २०२४ में एक बार अचानक हाईलाइटेड मुरली हमें कीसी वाट्सऐप ग्रुप में मिली , जैसे ही हमने पढ़ी और चित्र देखकर बाबा की ज्ञानयुक्त राजयुक्त बातें क्लियर समझ आने लगी, लेकिन उस ग्रुप में रोजाना वह मुरली नहीं मिलती थी अब भी नहीं मिलती, लेकिन जब भी मिलती हम बड़े उत्साह से पढ़ते रहते थे, हाइलाइटेड मुरली के कारण ही हमारे ज्ञान में, योग में, पुरुषार्थ में सब बातों में फायदा हुआ है।अब हमें बाबा की बहुत सी बातें समझ आने लगी है, इसमें हमें मुख्य सहायक हाइलाइटेड मुरली ही हुई है।</p> <p>आपका और आपकी टिम का तहे दिल से शुक्रिया। ओम् शांति 🙏</p>

## Double foreigners

Name	Reena Saawhney
समर्पित?	No
From:	Canada ; (Rohtak Haryana, India)
Age of body	58 year
ज्ञान में	I did Rajyoga meditation course in 2018 but started practicing since 2020 so you can say for 6 years.
HLM कब से	1 year
Experience:	Thanks to the team for taking out their time and putting their conscious efforts in highlighting the murli. It makes it so easier to understand murli in all the four subjects. Baba bless you all 🙏

Name	Mayuri
समर्पित?	
From:	Toronto Canada
Age of body	60
ज्ञान में	5 years
HLM कब से	3 Years
Experience:	Om Shanti! A big thank you to the highlighted Murli Team! The way you've emphasized the key points with visuals makes Baba's directions feel incredibly simple and direct. It has saved me time and provided a clear roadmap for my dharna (practice). Very much appreciated!  Matter of fact: Highlighted Murli allows focus. It helps the mind stay centered on the most "elevated" point. Saving time, It enables a quick but powerful refresh during a busy day. And for Churning, it provides a specific "seed" for deeper meditation.  May Baba's Divine blessing stay with Highlighted Murli Team in the days to come.  TIBSY

Name	BK Amy Karmacharya
समर्पित?	No
From:	Hamilton Canada (I am born in Myanmar I took 7 day course in Bangkok, since 4 years living in Canada )
Age of body	42
ज्ञान में	8 years
HLM कब से	2-3
Experience:	It help me understand more and easy to remembering, pictures help me

Name	Surbhi
समर्पित?	Not physically but mentally 😊
From:	Dubai UAE
Age of body	32
ज्ञान में	5 years
HLM कब से	3years
Experience:	1. Clarity achi milti hai, 2. Normally pdhne ya sunne me Koi imp point ya line skip ho jati h, to wo HM me clear ho jati h, emphasise kiya jata hai ki baba kya kehna chah rhe the or kis rishte se wo bat kahi. 3. Point search krna b easy ho jata h images se, ki konsa pt kb konse page pr aya tha agr use dubara padhna ho to. 4. Points yad krne me bhut bhut help milti hai. 5. Baba se pyar or jyada feel hota h, bar bar unki or adiratno ki photo dekhne ko milti h chitra revise hote rhte hai. 6. Chitro m b likhai hoti h ki kha focus krna hota hai, kuch pix kai bar dekhi hui hoti h, tb b HM me pahli bar notice hui ki ye b tha isme..

Name	Peshori Malhotra
समर्पित?	No
From:	Chicago America
Age of body	82
ज्ञान में	10
HLM कब से	5
Experience:	It gives me. More understanding. Remembrance become easy

If you wish to stay connected, Here is the link



BKdrluhar